

असाधारमा EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 3 PART I—Section

प्राधिकार से प्रकाशित "
PUBLISHED BY AUTHORIT

AUTHORITY

सं. 2] मई बिल्ली, बुधवार, मई 27, 1987/ज्येष्ठ 6, 1909 No. 2] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1987/JYAISTHA 6, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप की एसा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

संकल्प

सं. 2(श्र).—सशस्त्र सेनाओं के कमीणन श्रफसरों के बेतन और भत्तों की सरजना के बारे में चतुर्थ केन्द्रीय वेतन श्रायोग की सिफारिशों पर भारत सरकार के निर्णय इस मंत्रालय के विनांक 18 मार्च, 1987 के संकल्प सं. 1-श्र के अंतर्गत घोषित किए गए थे। उक्त संकल्प के साथ संलग्न विवरण की कम सं. 20 के सामने पनडुब्बी बेतन के बारे में सरकार का निर्णय निम्नलिखित श्रनुसार पढ़ा जाए:

"इस संशोधन के साथ स्वीकृत की गई कि पनडुख्बी शाखा में केप्टन के रैंक में तीन वर्ष से कम की सेवा वाले कैप्टन 1200/- म. प्रति माह पनडुब्बी बेतन पाने के पाल होंगे और वे कैप्टन जिन्होंने उस रैंक में तीन वर्ष की मेवा पूरी कर ली है, 900/- म. प्रति माह पनडुब्बी बेतन पाने के पाल होंगे।

त्री. एन. बहादुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 27th May, 1987

RESOLUTION

No. 2(E).—The decisions of the Government of India on the recommendations of the Fourth Central Pay Commission relating to structure of emoluments and allowances of Commissioned Officers of the Armed Forces promulgated in this Ministry's Resolution No. 1-E, dated March 18, 1987. Against Serial No. 20 of the Statement annexed to the said Resolution relating to Submarine Pay, the decision of the Government may be read as under :—

"Accepted with the modification that Captains in Submarine Branch with less than three years service in that rank will be entitled to Submarine Pay of Rs. 1200 p.m. and Captains who have completed three years in that rank will be entitled to Submarine Pay of Rs. 900 p.m.".

V. N. BAHADUR, Jt. Secy.